



की का
डॉग

अज्ञात

चित्रांकन: निमिषा सैकिया



कथा की 300एम थिंकबुक





मैं की का कुत्ता हूँ।
यह है मेरी रोज़ की डायरी।



6 बजे:
सुबह की सैर। मुझे
बहुत पसंद है!

7 बजे:
की के साथ स्कूल के लिए तैयार
होना। मुझे बहुत पसंद है!



8 बजे:

नाश्ता करना।

मुझे बहुत पसंद है!





1 बजे:
की का स्कूल से वापस
आना। मुझे बहुत पसंद है!



3 बजे:

की के साथ खेलना। मुझे
बहुत पसंद है!



5 बजे:

की के साथ सैर पर जाना। मुझे
बहुत पसंद है!





7 बजे:
रात का खाना। मुझे बहुत
पसंद है!



8 बजे:
की के साथ कहानी सुनना। मुझे
बहुत पसंद है!



8.30 बजे:
अपने बिस्तर पर सोना!

निमिषा सैकिया एक इलस्ट्रेटर और ग्राफिक डिज़ाइनर हैं। वह चित्र बनाना चाहती है क्योंकि उन्हें कहानियों की व्याख्या करना पसंद है।

कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

“भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!”

– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ

“कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।”

– पेपेटाइगर्स

“कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।”

– टाइम आउट

“कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।”

– चार्ल्स लैड्री, द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग



पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

लेखन कृति स्वामित्व © कथा

चित्रांकन कृति स्वामित्व © कथा

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्वलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: marketing@katha-org

वेबसाइट: www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा। कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

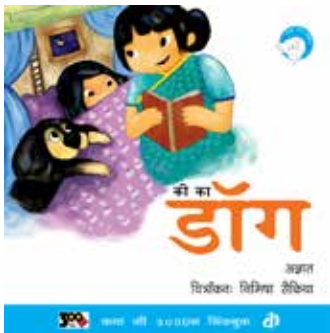
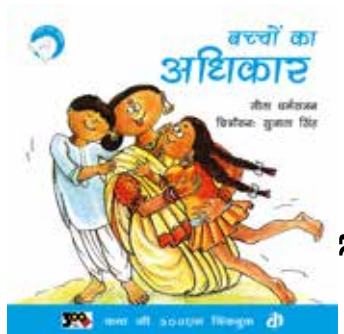
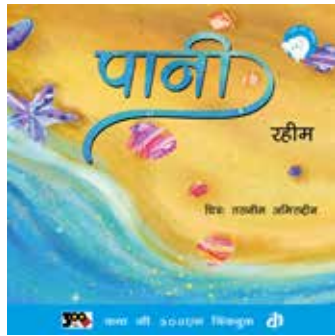
अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: 300m@katha-org स्वयंसेवा के लिए: volunteer@katha-org पर हमें लिखें

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।



FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."
— The iconic The Economic Times

k for children

ISBN-978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx